

उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों का शैक्षणिक उपलब्धि के संबंध में भावनात्मक, सामाजिक, शैक्षिक समायोजन

शोध पर्यवेक्षक :
डॉ० वी०के० शर्मा

शोधकर्ता :
मौ.खालिद

विभागाध्यक्ष एवं डीन, शिक्षा संकाय

शिक्षा संकाय

ग्लोकल यूनिवर्सिटी, मिर्जापुर पोल, सहारनपुर

ग्लोकल यूनिवर्सिटी, मिर्जापुर पोल, सहारनपुर

सार

वर्तमान अध्ययन का उद्देश्य यह जांच करना है कि क्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के समायोजन और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध है। इस सर्वेक्षण अध्ययन में, जांचकर्ताओं ने जनसंख्या से नमूना चुनने के लिए स्तरीकृत यादृच्छिक नमूनाकरण तकनीक का उपयोग किया। विद्यार्थियों का स्तरीकरण लिंग एवं स्थानीयता के आधार पर किया गया। नमूने में भारत के तमिलनाडु के तंजावुर जिले के दस स्कूलों के 350 उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्र शामिल हैं। वर्तमान अध्ययन के लिए उपयोग किए जाने वाले उपकरण ए.के.पी. द्वारा विकसित समायोजन सूची थे। सिन्हा और आर.पी. सिंह (2007) और अन्वेषक द्वारा निर्मित शैक्षणिक उपलब्धि। वर्तमान अध्ययन के लिए डेटा का विश्लेषण करने के लिए उपयोग की जाने वाली सांख्यिकीय तकनीक कार्ल पियर्सन के सहसंबंध के उत्पाद क्षण गुणांक थी। निष्कर्ष से पता चलता है कि, शैक्षणिक उपलब्धि के संबंध में उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के भावनात्मक, सामाजिक, शैक्षिक समायोजन के बीच एक महत्वपूर्ण संबंध है।

मुख्य शब्द: प्रेरक समायोजन, सामाजिक समायोजन, शैक्षिक समायोजन

प्रस्तावना

स्कूल किसी भी बच्चे के लिए प्रमुख समाजीकरण संस्थान है। यह घर के बाहर की दुनिया से बच्चे का पहला संपर्क होता है। करीब 12 साल तक एक बच्चा प्रतिदिन 5 से 7 घंटे स्कूल में बिताता है। स्कूल सबसे महत्वपूर्ण आधार स्तंभों में से एक है जिस पर बच्चे का व्यक्तित्व विकसित होता है। बच्चे सीखने की प्रक्रिया और होमवर्क, सामाजिक संचार, भावनाओं को संभालना और घर और स्कूल में दिन-प्रतिदिन की बातचीत के प्रबंधन जैसी विभिन्न क्षमताओं में दक्षता सीखते हैं। वास्तव में, बढ़ता हुआ बच्चा तात्कालिक वातावरण पर निर्भर होता है, यानी घर और स्कूल उसकी विकास संबंधी जरूरतों को पूरा करते हैं। इसलिए, चिंता का विषय यह है कि बच्चों की विकास आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए स्कूल की सुविधाओं को कैसे बढ़ाया और बेहतर बनाया जा सकता है। प्रत्येक व्यक्ति जब से परिवार से बाहर निकलता है और स्कूल जाता है तब से वह संपूर्ण अद्वितीय व्यक्तित्व और पर्यावरण के बीच समायोजन की एक लंबी श्रृंखला बनाता है।

प्रत्येक लड़के और लड़की की एक स्वस्थ शरीर, बढ़ती बौद्धिक क्षमता, भावनात्मक संतुलन की एक बड़ी डिग्री और सामाजिक समूहों में बढ़ी हुई भागीदारी वाला एक व्यक्तिगत व्यक्ति बनने की प्रबल इच्छा, ऐसी विशेषताएँ किसी के व्यक्तित्व को बढ़ाती हैं यहाँ तक कि माता-पिता, शिक्षक और उस समाज के अन्य महत्वपूर्ण सदस्य भी, जिससे व्यक्ति संबंधित है, इस इच्छा को प्रोत्साहित करेंगे। सी.वी. के अनुसार गुड (1959), समायोजन पर्यावरण या पर्यावरण में परिवर्तनों के लिए उपयुक्त व्यवहार के तरीकों को खोजने और अपनाने की प्रक्रिया है। यह वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा एक जीवित जीव अपनी आवश्यकताओं और उन परिस्थितियों के बीच संतुलन बनाए रखता है जो इन आवश्यकताओं की संतुष्टि को प्रभावित करती हैं। इस प्रकार समायोजन स्कूल में छात्रों की उपलब्धि और व्यक्तित्व विकास को प्रभावित करता है।

शिक्षा समाज का दर्पण है और सामाजिक-आर्थिक विकास का बीज और फूल भी है। यह मनुष्य को अज्ञानता से ज्ञानोदय की ओर, सामाजिक पिछड़ेपन की छाया से सामाजिक सुधार की रोशनी की ओर और राष्ट्र को अविकसितता से तेज सामाजिक और आर्थिक विकास की ओर ले जाता है। यूएनएससीईओ के आम सम्मेलन में यह माना गया कि "निरक्षरता सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए एक गंभीर बाधा है और इसलिए आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए राष्ट्रीय योजनाओं के सफल कार्यान्वयन के लिए साक्षरता का विस्तार एक पूर्व-आवश्यकता है"। शिक्षा का उद्देश्य मानव विकास है। यह हमारे जीवन में जन्म से लेकर कब्र तक व्याप्त है। शिक्षा का सामान्य उद्देश्य व्यक्ति को सफलतापूर्वक जीवन जीने के लिए तैयार करना है। शिक्षा को हमें उन समस्याओं और बाधाओं को दूर करने में सक्षम बनाना चाहिए जिनका हम जीवन में सामना कर सकते हैं। आधुनिक समाज जटिल और प्रतिस्पर्धी हो गया है। यह अंतरिक्ष, तीव्र औद्योगीकरण और तकनीकी उन्नति का युग है। इसलिए, शैक्षिक लक्ष्य और उद्देश्य अपने आयाम और प्राथमिकताएँ बदलते हैं।

ये परिवर्तन सामान्य भी हैं और विशिष्ट भी। वर्तमान समय शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों से उच्च संवेदनशीलता, सामान्य योग्यता तथा श्रेष्ठ उत्कृष्टता की अपेक्षा करता है। शिक्षा मनुष्य को स्वयं तथा समाज के साथ तालमेल बिठाने के लिए प्रशिक्षित करती है। हम इंसान भूख और नुकसान से सुरक्षा जैसी शारीरिक जरूरतों के साथ तालमेल बिठाने का प्रयास और संघर्ष करते हैं। हम मनोवैज्ञानिक आवश्यकताओं जैसे भावनात्मक सुरक्षा, स्वीकृति आदि को भी संतुष्ट करने का प्रयास करते हैं। ऐसे जटिल वातावरण में विलासितापूर्ण जीवन जीने और संतुष्ट करने के लिए विभिन्न आवश्यकताओं और आवश्यकताओं के साथ, हमारे और हमारे पर्यावरण के बीच बातचीत की प्रक्रिया होती है। इस प्रक्रिया में हम या तो अपने परिवेश को संशोधित करने का प्रयास करते हैं या संघर्ष करते हैं या हम अपने स्वयं के जटिल वातावरण को साफ-सुथरा रखने का प्रयास करते हैं। उनके समायोजन को व्यक्ति और उसके पर्यावरण के बीच सामंजस्य तथा व्यक्ति और उसके पर्यावरण के बीच कुसमायोजन कहा जा सकता है। एक व्यक्ति को कई समायोजन समस्याओं का सामना करना पड़ता है, जिसका सीधा प्रभाव व्यक्ति की सामान्य दक्षता को कम करने पर पड़ता है। समस्याग्रस्त व्यक्ति अपनी बौद्धिक क्षमताओं के अनुरूप शैक्षणिक गतिविधियों को प्राप्त करने में सक्षम नहीं होते हैं। ऐसे अन्य कारक भी हो सकते हैं जो बच्चे के शैक्षणिक प्रदर्शन को प्रभावित करते हैं। व्यक्तित्व की विशेषताएँ किसी व्यक्ति के जीवन में समायोजन को भी निर्धारित करती हैं।

मानसिक स्वास्थ्य

किसी के दिमाग की देखभाल करना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि उसके शरीर की देखभाल करना।" किसी के समग्र स्वास्थ्य के हिस्से के रूप में, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य या कल्याण एक व्यक्ति को अपने जीवन को सफलतापूर्वक प्रबंधित करने में सक्षम बनाने के लिए एक आवश्यक शर्त है। मानसिक स्वास्थ्य वह भावनात्मक और आध्यात्मिक लचीलापन है जो व्यक्ति को जीवन का आनंद लेने और दर्द, पीड़ा और निराशा से बचने की अनुमति देता है। यह भलाई की एक सकारात्मक भावना है और किसी की अपनी और दूसरों की गरिमा और मूल्य में अंतर्निहित विश्वास है। मानसिक स्वास्थ्य की अवधारणा उतनी ही पुरानी है जितनी मनुष्य की। हाल के वर्षों में नैदानिक मनोवैज्ञानिकों के साथ-साथ शिक्षाविदों ने मानसिक स्वास्थ्य के अध्ययन पर उचित ध्यान देना शुरू कर दिया है। हालाँकि, भारत में अपेक्षाकृत बहुत कम कार्य किये गये हैं। कोर्नहाउसर (1965) द्वारा परिभाषित मानसिक स्वास्थ्य उन व्यवहारों, धारणाओं और भावनाओं को रूपांतरित करता है जो किसी व्यक्ति की व्यक्तिगत प्रभावशीलता, सफलता, खुशी और एक व्यक्ति के रूप में कार्य करने की उत्कृष्टता के समग्र स्तर को निर्धारित करते हैं। यह उन लक्ष्यों के विकास और अवधारण पर निर्भर करता है जो एक योग्य, प्रभावी इंसान के रूप में स्वयं में विश्वास के यथार्थवादी सफल रखरखाव की अनुमति देने के लिए न तो बहुत ऊंचे हैं और न ही बहुत कम हैं। इसलिए मानसिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति अपने इरादों में दृढ़ होता है और दिन-प्रतिदिन के तनावों और तनावों से कम से कम परेशान होता है। इस प्रकार मानसिक स्वास्थ्य की अवधारणा व्यक्ति के प्रति 'गेस्टाल्ट' दृष्टिकोण अपनाती है। इसमें व्यक्तित्व की विशेषताओं और व्यवहार की सभी अवधारणाओं को एक साथ शामिल किया गया है। इसे व्यक्ति की व्यवहारिक विशेषता के रूप में भी समझा जा सकता है। मानसिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति वांछनीय दृष्टिकोण, स्वस्थ मूल्यों और धर्म आत्म-अवधारणा और समग्र रूप से शब्द की वैज्ञानिक धारणा का एक सजातीय संगठन दिखाता है। एरिकसन (1936), रोजर्स (1969), हरलॉक (1972) जैसे कई मनोवैज्ञानिकों ने इसी स्वर में अपना विचार व्यक्त किया है। मानसिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति को एक गतिशील और कर्तव्यनिष्ठ व्यक्ति के रूप में भी समझा जाना चाहिए जो अपने पवित्र उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए साधनों के चुनाव में काफी तर्कसंगत पाया जाता है (आनंद, 1988)। इसलिए मानसिक स्वास्थ्य हमारे और दूसरों के प्रति एक व्यवहारिक अवधारणा है (लेहनर और कुब्स, 1962)। यह स्वयं की समझ और मूल्यांकन, सकारात्मक भावना, स्वयं और दूसरों के प्रति दृष्टिकोण के प्रति एक मानवतावादी दृष्टिकोण भी प्रस्तुत करता है।

उपलब्धि प्रेरणा और समायोजन

उपलब्धि प्रेरणा को नौकरी, स्कूल, घर बनाने या एथलेटिक प्रतियोगिता में मानव प्रयास के कई क्षेत्रों में देखा जा सकता है। उपलब्धि प्रेरणा के विकास में माता-पिता की अपने बच्चों से अपेक्षाएँ भी महत्वपूर्ण मानी जाती हैं। जो माता-पिता अपने बच्चों से कड़ी मेहनत करने और सफलता के लिए प्रयास करने की उम्मीद करते हैं, वे उन्हें ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे और उपलब्धि-निर्देशित व्यवहार के लिए उनकी प्रशंसा करेंगे। उपलब्धि प्रेरणा का सार यह है कि यह केवल प्राप्त करने की इच्छा नहीं है, बल्कि इसका तात्पर्य 'कार्य में उत्कृष्टता के मानक को प्राप्त करने का प्रयास' है। यह उत्कृष्टता के साथ प्रदर्शन करने की तीव्र इच्छा है। समायोजन घर, स्कूल, कार्यस्थल, बड़े होने और उम्र बढ़ने की जीवन स्थितियों में एक संगठनात्मक व्यवहार है। यह किसी को सहनीय स्तर पर बुनियादी आवेगों पर नियंत्रण रखने, अपनी क्षमताओं पर विश्वास करने और वांछित लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करता है। यह बौद्धिक, भावनात्मक, सामाजिक, शारीरिक और व्यावसायिक पहलुओं के साथ-साथ स्व-आरंभित वृद्धि और विकास में मदद करता है। यह विद्यार्थी की सफलता और उन्नति का सूचक है। उच्च माध्यमिक छात्रों, जो समाज के सक्रिय किशोर हैं, के लिए

परिस्थितियों के साथ तालमेल बिठाना जरूरी है ताकि वे अपनी पढ़ाई के साथ-साथ व्यक्तिगत जीवन में भी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें।

स्वस्थ दृष्टिकोण

वास्तविकता के साथ एक अच्छा, स्वस्थ संबंध अच्छे, स्वस्थ दृष्टिकोण से बहुत मददगार होता है। ये दृष्टिकोण, जैसा कि आप सामान्य मनोविज्ञान से जानते हैं, मन की अवस्थाएँ हैं जो हम अपने काम, दोस्तों, धर्म, जातीय समूहों, मृत्यु और हजारों अन्य चीजों के प्रति अपनाते हैं जिनका हम अपने जीवन में सामना करते हैं। उदाहरण के लिए, जातीय समूहों के प्रति दृष्टिकोण को लें। जब हम यहूदियों, या नीग्रो, या ओरिएंटल्स के खिलाफ गहरी नफरत और पूर्वाग्रह से पीड़ित होते हैं तो हमारे लिए मानसिक रूप से स्वस्थ रहना असंभव है। बैक्टीरिया और विषाक्त पदार्थ शारीरिक स्वास्थ्य के लिए उसी तरह हानिकारक हैं जैसे नफरत और पूर्वाग्रह मानसिक स्वास्थ्य के लिए हैं। इसी तरह, यदि हम अपने काम को लेकर चिंतित हैं या भावनात्मक रूप से विरोध में हैं, तो मानसिक स्थिरता बनाए रखना मुश्किल है। या अगर स्वास्थ्य के बारे में हमारी चिंता माइक्रोफोबिया या हाइपोकोण्ड्रिया की ओर ले जाती है, तो मानसिक स्वास्थ्य में व्यवधान का खतरा होता है। यह ध्यान रखना दिलचस्प और शिक्षाप्रद है कि यह मूल रवैया अक्सर किसी व्यक्ति के मूल्यों के मानदंडों के भीतर निहित होता है और इसलिए एक स्वस्थ दृष्टिकोण का विकास काफी हद तक इस आवश्यकता की पूर्ति पर निर्भर करेगा।

मानसिक दक्षता

मानसिक दक्षता की प्राप्ति के लिए विचार और अन्य मानसिक क्षमता पर नियंत्रण मौलिक रूप से महत्वपूर्ण है। हम पहले ही देख चुके हैं कि मानसिक स्वास्थ्य और मानसिक दक्षता का अभाव मानसिक बीमारी का संकेत है, यह कहना उचित नहीं होगा। फिर भी बुद्धिमत्ता, स्वतंत्रता और स्मृति जैसे कारकों का प्रभावी ढंग से उपयोग करने की क्षमता मानसिक स्थिरता को बढ़ावा देती है। यह निश्चित रूप से उल्लेखनीय है कि भावनात्मक रूप से परेशान, विक्षिप्त या मानसिक रोगी में मानसिक दक्षता की विशेषता का अभाव होता है। और इसके विपरीत दक्षता मानसिक रूप से स्थिर व्यक्तित्व से जुड़ी होती है। इसलिए, मानसिक दक्षता को मानसिक स्थिरता का एक विश्वसनीय संकेत माना जा सकता है।

विचार और आचरण का एकीकरण

मानसिक स्वास्थ्य का महत्व आचरण के साथ विचार का एकीकरण भी है। हम जो सोचते हैं और जो करते हैं उसके बीच का अंतर हम कभी भी मानसिक स्थिरता को बढ़ावा नहीं देते हैं। एकीकरण व्यक्तिगत अखंडता के कारक पर जुड़ा हुआ है, जो सुसंगत और विश्वसनीय व्यवहार से निर्धारित होता है जो उन लोगों में विश्वास, विश्वास और आत्मविश्वास पैदा करता है जिनके साथ वह व्यवहार करता है। पैथोलॉजिकल झूठ बोलने वाले, ठग, नैतिक मनोरोगी और अपराधी सभी में व्यक्तिगत ईमानदारी की कमी होती है और वे पैथोलॉजिकल मानसिकता की विशेषता रखते हैं। ऐसे कई मामलों में, जो प्रतिक्रिया के संगठन के साथ-साथ मानसिक स्थिरता को खराब करते हैं, यह मानदंड पिछले अनुभाग में उल्लिखित व्यक्तिगत एकीकरण की अवधारणा से संबंधित होना चाहिए।

उद्देश्य

1. यह पता लगाना कि क्या उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के भावनात्मक, सामाजिक समायोजन और समायोजन तथा शैक्षणिक उपलब्धि के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध है।
2. यह पता लगाना कि क्या उच्च माध्यमिक विद्यालय के लड़कों की भावनात्मक, सामाजिक समायोजन और समायोजन तथा शैक्षणिक उपलब्धि के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध है।

अनुसंधान क्रियाविधि

जांचकर्ताओं ने तंजावुर जिले में उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के भावनात्मक, सामाजिक, शैक्षिक समायोजन और शैक्षणिक उपलब्धि का अध्ययन करने के लिए अनुसंधान की सर्वेक्षण पद्धति को अपनाया है। जांचकर्ताओं ने जनसंख्या से नमूना चुनने के लिए स्तरीकृत यादृच्छिक नमूनाकरण तकनीक का उपयोग किया। विद्यार्थियों का स्तरीकरण लिंग एवं स्थानीयता के आधार पर किया गया। नमूने में तंजावुर जिले के दस स्कूलों के 350 उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्र शामिल हैं।

डेटा विश्लेषण

उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के भावनात्मक, सामाजिक, शैक्षिक समायोजन तथा समायोजन एवं शैक्षणिक उपलब्धि के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है। तालिका 1 से, यह पाया गया है कि, परिकलित मान 0.245, 0.216 और 0.316 महत्व के 0.05 स्तरों पर तालिका मान 0.098 से अधिक हैं। इसलिए, शैक्षणिक उपलब्धि के संबंध में उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के भावनात्मक, सामाजिक, शैक्षिक समायोजन के बीच एक महत्वपूर्ण संबंध है। उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के बालकों के भावनात्मक, सामाजिक, शैक्षणिक समायोजन, समायोजन एवं शैक्षणिक उपलब्धि के बीच कोई सार्थक संबंध नहीं है। तालिका 2 से, यह पाया गया है कि, सहसंबंध 'γ' मान 0.290, 0.283, 0.243 के कार्ल पियर्सन उत्पाद क्षण गुणांक की गणना 0.05 महत्व के स्तर पर तालिका मान 0.098 से अधिक है। इसलिए, शैक्षणिक उपलब्धि के संबंध में उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के लड़कों के भावनात्मक, सामाजिक, शैक्षिक समायोजन के बीच एक महत्वपूर्ण संबंध है। उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की लड़कियों के भावनात्मक, सामाजिक, शैक्षिक समायोजन और समायोजन तथा शैक्षणिक उपलब्धि के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है। तालिका 3 से, यह पाया गया है कि सहसंबंध 'γ' मान 0.276 और 0.237 का परिकलित गुणांक 0.05 महत्व के स्तर पर तालिका मान 0.098 से अधिक है। इसलिए, शैक्षणिक उपलब्धि के संबंध में उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की लड़कियों के भावनात्मक और शैक्षिक समायोजन के बीच एक महत्वपूर्ण संबंध है। सहसंबंध का परिकलित गुणांक 'γ' मान 0.093 महत्व के 0.05 स्तर पर तालिका मान 0.098 से कम है। इसलिए, शैक्षणिक उपलब्धि के संबंध में उच्च माध्यमिक विद्यालय की लड़कियों के सामाजिक समायोजन के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है। उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों के भावनात्मक, सामाजिक, शैक्षणिक समायोजन तथा समायोजन एवं शैक्षणिक उपलब्धि के बीच कोई सार्थक संबंध नहीं है। तालिका 4 से, यह पाया गया है कि, परिकलित 'γ' मान 0.246, 0.220 और 0.311, 0.05 महत्व के स्तर पर तालिका मान 0.098 से अधिक हैं।

तालिका 1. उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के भावनात्मक, सामाजिक, शैक्षिक समायोजन और समायोजन और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच संबंध

भावनात्मक, सामाजिक, शैक्षणिक समायोजन एवं समायोजन बनाम शैक्षणिक उपलब्धि	परिकलित 'y' मान	5% स्तर पर टिप्पणियाँ
शैक्षिक उपलब्धि		
भावनात्मक समायोजन	0.245	महत्वपूर्ण
सामाजिक समायोजन	0.216	महत्वपूर्ण
शैक्षिक समायोजन	0.316	महत्वपूर्ण
समायोजन	0.351	महत्वपूर्ण

तालिका 2. उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के लड़कों के भावनात्मक, सामाजिक, शैक्षिक समायोजन और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच संबंध

भावनात्मक, सामाजिक, शैक्षणिक समायोजन एवं समायोजन बनाम शैक्षणिक उपलब्धि	परिकलित 'y' मान	5% स्तर पर टिप्पणियाँ
शैक्षिक उपलब्धि		
भावनात्मक	0.290	महत्वपूर्ण

समायोजन		
सामाजिक समायोजन	0.283	महत्वपूर्ण
शैक्षिक समायोजन	0.243	महत्वपूर्ण
समायोजन	0.362	महत्वपूर्ण

तालिका 3. उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की लड़कियों के भावनात्मक, सामाजिक, शैक्षिक समायोजन और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच संबंध

भावनात्मक, सामाजिक, शैक्षणिक समायोजन एवं समायोजन बनाम शैक्षणिक उपलब्धि	परिकलित 'y' मान	5% स्तर पर टिप्पणियाँ
शैक्षिक उपलब्धि		
भावनात्मक समायोजन	0.276	महत्वपूर्ण
सामाजिक समायोजन	0.093	महत्वपूर्ण
शैक्षिक समायोजन	0.237	महत्वपूर्ण
समायो जन	0.278	महत्वपूर्ण

तालिका 4. उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ग्रामीण क्षेत्र के छात्रों के भावनात्मक, सामाजिक, शैक्षिक समायोजन और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच संबंध

भावनात्मक, सामाजिक,	परिकलित	5% स्तर पर
------------------------	---------	---------------

शैक्षणिक समायोजन एवं समायोजन बनाम शैक्षणिक उपलब्धि	'y' मान	टिप्पणियाँ
शैक्षिक उपलब्धि		
भावनात्मक समायोजन	0.246	महत्वपूर्ण
सामाजिक समायोजन	0.220	महत्वपूर्ण
शैक्षिक समायोजन	0.311	महत्वपूर्ण
समायोजन	0.344	महत्वपूर्ण

निष्कर्ष

वर्तमान अध्ययन से यह पुष्टि होती है कि शैक्षणिक उपलब्धि के संबंध में उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के भावनात्मक, सामाजिक, शैक्षिक समायोजन और समायोजन के बीच कम सकारात्मक संबंध है। ये निष्कर्ष मानसिंगभाई और यशवंतभाई (2014), येलैया (2012) और कुमार और ढिल्लों (2010) के निष्कर्षों की पुष्टि करते हैं। उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों से पढ़ने वाले छात्रों को अपने माता-पिता के साथ-साथ शिक्षकों से भी कुछ मनोवैज्ञानिक सहायता की आवश्यकता होती है। इसलिए, माता-पिता और शिक्षकों को अपने स्कूल में पढ़ने वाले छात्रों को अधिक मार्गदर्शन और सहायक देखभाल देनी चाहिए। सभी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों को उन छात्रों को परामर्श सेवा प्रदान करने को महत्व देना चाहिए जिनके पास भावनात्मक और समायोजन संबंधी समस्याएं हैं। मार्गदर्शन और परामर्श सेवाएँ देने के लिए एक अच्छी तरह से प्रशिक्षित परामर्शदाता नियुक्त किया जाना चाहिए। स्कूलों को केवल अपने छात्रों की उच्च उपलब्धि को ही महत्व नहीं देना चाहिए, बल्कि स्वयं और अपने वातावरण के साथ तालमेल बिठाने की शिक्षा को भी महत्व देना चाहिए। स्कूलों को अक्सर छात्रों के माता-पिता के साथ बैठकें आयोजित करनी चाहिए और उन्हें उनके बच्चे की स्थिति के बारे में बताना चाहिए। स्कूलों को स्कूल के अंदर छात्रों के व्यवहार का एक अलग रिकॉर्ड रखना होगा और भावनात्मक रूप से अपरिपक्व छात्रों का पता लगाना होगा। इससे उन्हें परामर्श देने में मदद मिलेगी। सभी सरकारी स्कूलों को अच्छी प्रयोगशाला, पुस्तकालय और अच्छी तरह से संरचित कक्षाओं जैसी सभी सुविधाओं के साथ संशोधित किया जाना चाहिए। छात्रों के अपने सहकर्मी समूहों और उनके परिवार के साथ समायोजन में सुधार के लिए कुछ संवर्धन कार्यक्रम आयोजित किए जा सकते हैं जैसे नुक्कड़ नाटक, समूह असाइनमेंट, समूह शिक्षण, समूह नृत्य और अन्य टीम कार्य। शिक्षक अपने छात्रों के लिए सबसे बड़े आदर्श होते हैं। इसलिए, सबसे पहले शिक्षक के पास उच्च स्तर का समायोजन और भावनात्मक स्थिरता होनी चाहिए और उसे अपने छात्रों को यह दिखाना होगा कि दूसरों के साथ कैसे तालमेल बिठाना है।

संदर्भ

1. धुरंधर, डी., और अग्रवाल, ए. (2015)। विज्ञान एवं कला विषय के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पर तुलनात्मक अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड साइकोलॉजिकल रिसर्च, 4(2), 20-22।
2. जयचंद्रन, पी. (2017)। उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के बीच मानसिक स्वास्थ्य और सहकर्मी संबंध। मानवता विज्ञान और अंग्रेजी भाषा के लिए स्कॉलरली रिसर्च जर्नल, 4(19), 4268-4275।
3. माओहरन, जे.एल., और डॉस, सी. (2007)। घरेलू वातावरण और उच्चतर माध्यमिक छात्रों के समायोजन के बीच संबंध। शिक्षा पर अनुसंधान और चिंतन, 5(2), 10-11।
4. नेहरा, एस. (2014)। नौवीं कक्षा के छात्रों के समायोजन और भावनात्मक परिपक्वता के बीच संबंध। एजुकेशनिया कन्फैब, 3(2), 67-75।
5. राव, एम.डी.वी.जे., और रेड्डी, एस.वी. (2016)। हाई स्कूल के छात्रों के बीच उपलब्धि प्रेरणा पर स्कूल के माहौल, घर के माहौल और मानसिक स्वास्थ्य स्थिति का प्रभाव। पैरिपेक्स - इंडियन जर्नल ऑफ रिसर्च, 5(4), 426-429।
6. शक्तिमणि (2010)। मानसिक स्वास्थ्य पैमाना (जैसा कि थानेश और जैस्मीन शीला बर्नी, 2013 में उद्धृत किया गया है, ग्यारहवीं कक्षा के छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और शैक्षणिक उपलब्धि पर एक अध्ययन, अप्रकाशित एम.एड. शोध प्रबंध, तमिलनाडु शिक्षक शिक्षा विश्वविद्यालय, चेन्नई)।
7. सिन्हा. ए.के.पी., और सिंह, आर.पी. (2007)। स्कूली छात्रों के लिए समायोजन सूची के लिए मैनुअल। आगरा: राष्ट्रीय मनोवैज्ञानिक निगम।
8. सुरेखा, (2008)। छात्रों के समायोजन और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच संबंध। रिव्यू जर्नल ऑफ फिलॉसफी एंड सोशल साइंस, मार्च 2009।
9. उषा (2007)। बच्चे का भावनात्मक समायोजन और पारिवारिक स्वीकृति: उपलब्धि के लिए सहसंबद्ध है। एडुट्रैक्स, 6(10)। http://www.who.int/features/factfiles/mental_health/en/ से लिया गया।
10. विश्व स्वास्थ्य संगठन. (2014)। मानसिक स्वास्थ्य: खुशहाली की स्थिति. http://www.who.int/features/factfiles/mental_health/en/ से लिया गया।
11. सुरेखा, (2008)। "छात्रों के समायोजन और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच संबंध"। एडुट्रैक, वॉल्यूम। 7, संख्या 7, पृ. 26-31
12. तम्बावल एम.यू., (2010)। "व्यक्तिगत-सामाजिक और व्यावसायिक समायोजन को बढ़ाने के लिए परामर्श"। सोकोतो राज्य शिक्षा विकास ट्रस्ट फंड के सोकोतो राज्य स्वदेशी अंडरगिऑनग कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए प्रेरण/अभिविन्यास। से लिया गया

13. वर्मा आर. कुमार और कुमारी एस., (2016)। "प्रारंभिक स्तर पर बच्चों की उनके समायोजन के संबंध में शैक्षणिक उपलब्धि"। ग्लोबल जर्नल फॉर रिसर्च एनालिसिस, वॉल्यूम। 5, क्रमांक 1, पृ. 310-312.
14. येलैया, (2012)। "हाई स्कूल के छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि पर समायोजन का एक अध्ययन"। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोशल साइंसेज एंड इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च, वॉल्यूम। 1, क्रमांक 5, पृ. 84-94. से लिया गया
15. गिल, सतीश (2014)। "विशेष विद्यालयों के दृष्टिबाधित छात्रों का भावनात्मक, सामाजिक और शैक्षिक समायोजन"। वैज्ञानिक और अनुसंधान प्रकाशन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, वॉल्यूम। 4, क्रमांक 3, पृ. 1-4. <http://oji.net/articles/2014/1170-1412083822.pdf> <https://www.acadmedia.edu/3819814> <http://www.Indianresearchjournals.com> www.ijsrp.org से लिया गया